मुसीबत है तेरा ये झुमका,

जो गालों पेझ गए,

कहने आया था में,

दिल की बात और भूल गए |

अपने कोमल हाथों से

जब तमने उन उल्झी हुई जुल्फो को सवारा,

तब मेरा दिल तेरे उस तिल पर झूल गया,

कहने आया था मे,

अपने दिल की बात और कहना भूल गया ///